Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Online workshop on Intellectual Property Rights : Patent & Designs Process

Newspaper: Amar Ujala **Date: 09-02-2022**

किसी देश के विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : कुलपति

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का अपना महत्व होता है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जो एक-दूसरे से जुड़ी होती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र होते हैं।

यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला में कही। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा।विश्वविद्यालय के कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया। कम्युनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। (फाइल फोटो)

उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। डॉ. सूर्यवंशी ने पेटेंट महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 09-02-2022**

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य : टंकेश्वर

हकेंवि में मौलिक संपदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही हैं। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट के डा. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंटलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक संपदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स (आईपीआर) पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया । उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सीआइआइ के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इससे माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआई की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सेंटर के द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। विवि कुलपति का परिचय डा. सूरज आर्य ने तथा विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रो. पवन मौर्य ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डा. अनूप यादव ने दिया। कार्यक्रम के आयोजन में श्री सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विवि की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी आनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

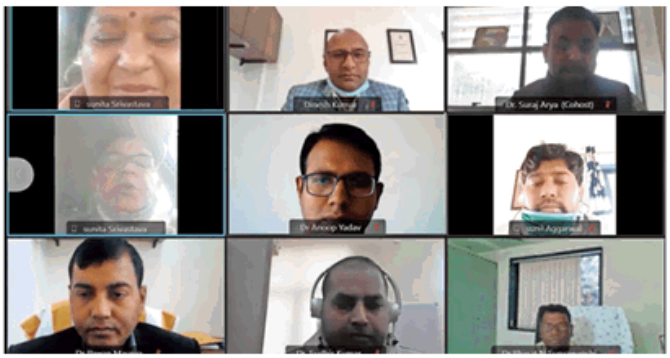

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित आनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार (बाईं ओर के पहले कालम में बीच में) ● सौ. प्रवक्ता

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 09-02-2022**

हकेंवि में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

विकास के लिए नवाचार अनिवार्य

कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ । केंद्रीय विवि की ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है। इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार को केंद्र रही है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट के डॉ. भरत एन सूर्यवंशी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स (आईपीआर): पेटेंट एंड डिजाइन प्रोसेस रहा। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि कुलपति ने नवाचार को एक निरंतर जारी रहने वाली प्रक्रिया बताया और कम्यूनिकेशन के क्षेत्र में लगातार जारी नई-नई खोजों का उल्लेख करते हुए इसके महत्व से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है और इसमें विशेष प्रयास लगते हैं। कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिसटेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट्स एंड डिजाइन डॉ. भरत एन सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटेंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटेंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डॉ. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटेंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

छात्रों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र है और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वीसी ने सीआईआई के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सीआईआईकी समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने केंद्र द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सेंटर किस तरह विवि स्तर पर नवाचार व नवोन्मेषन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 09-02-2022**

देश के विकास के लिए नवाचार का अहम महत्व: प्रो. टंकेश्वर कुमार

ह.कें.वि. में मौलिक सम्पदा अधिकार पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित

महेंद्रगढ़, 8 फरवरी (परमजीत, मोहन): किसी भी देश के विकास के लिए नवाचार का महत्व सदैव ही अहम रहा है। नवाचार निरंतर जारी रहने वाली ऐसी प्रक्रिया है जोकि एक-दूसरे से जुड़ी रहती है इसलिए आवश्यक है कि इस दिशा में विशेषज्ञ निरंतर प्रयासरत रहें। जहां तक बात शिक्षण संस्थानों की है तो यह हमेशा से ही नवाचार का केंद्र रही हैं। उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन (सी.आई.आई.) द्वारा मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट के डा. भरत एन. सूर्यवंशी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन व राजीव गांधी नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी मैनेजमैंट, नागपुर के सहयोग से राष्ट्रीय मौलिक सम्पदा जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का विषय इंटलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स (आई.पी.आर.) पेटैंट एंड डिजाइन प्रोसैस रहा। विश्वविद्यालय कुलपति ने कहा कि हर खोज एक लक्षित उद्देश्य को प्राप्त करने में मददगार होती है। विश्वविद्यालय व शिक्षण संस्थान मुख्य रूप से शोध व अनुसंधान का ही केंद्र हैं और यहां कार्यरत शिक्षक न सिर्फ अनुसंधान कार्य को अंजाम देते हैं, बल्कि विद्यार्थियों को भी इस दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कुलपति ने इस मौके पर सी.आई.आई. के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने आइडिया के विकास में मदद मिलेगी। इससे पूर्व सी.आई.आई. की समन्वयक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने सैंटर द्वारा जारी विभिन्न प्रयासों की जानकारी दी और बताया कि सैंटर किस तरह से विश्वविद्यालय स्तर पर नवाचार व नवोन्मेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

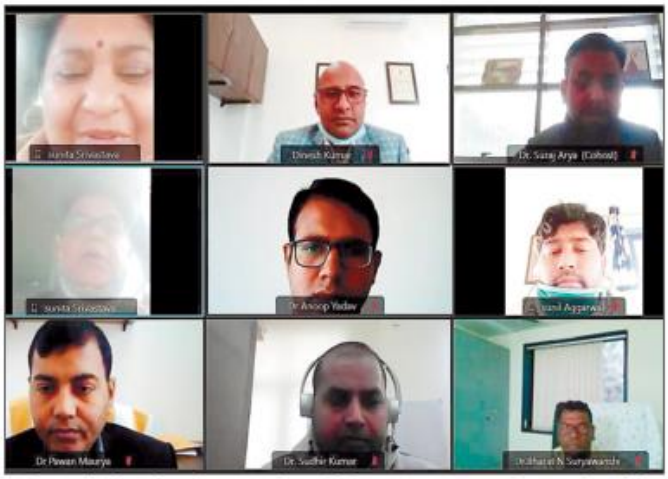

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ वक्ता असिस्टैंट कंट्रोलर ऑफ पेटैंट्स एंड डिजाइन डा. भरत एन. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में विस्तार से पेटैंट संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेटैंट कितने प्रकार के होते हैं और उनकी समयावधि व विस्तार की प्रक्रिया क्या होती है। डा. सूर्यवंशी ने अपने संबोधन में पेटैंट के महत्व और उससे जुड़े विभिन्न तकनीकी पक्षों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम के आयोजन में सुनील अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।